impact
www.impactmeasurement.co.in

Date : 08-Nov-2008 Edition : Delhi Page No.: 8 Page Name: n.a. Size: 300.72 sq. cm

Sector: Others Circulation: 157664 AVE: Rs.47513.87 Frequency: Daily

Publication: Amar Ujala Title: Young generation is ill due to late marriage

अमर उजाला

विवाह में देरी से बीमार हो रही भावी पीढ़ी

देर से मां बनने के कारण संतानें हो रही हैं बेजार, परिजनों के साथ बढ़ रहा है मनमुटाव

● अमर उजाला ब्यूरो

नोएडा। इसे जॉब का दबाव कहा जाए या कैरियर के प्रति दीवानगी, दो दिन पहले ही एक युवती ने अपने पिता को न सिर्फ पीट दिया बल्कि उन्हें थाने तक पहुंचा दिया। उस व्यक्ति का कुसूर सिर्फ इतना ही था कि वह अपनी बेटी से शादी कर लेने की जिद की थी। इस तरह की घटनाएं तो नहीं पर शादी के नाम पर परिजनों से होने वाले मनमुटाव की घटनाओं में तेजी से इजाफा हो रहा है।

गंभीर

नौकरी के लिए लेट मैरिज कर रही हैं लड़कियां

जॉब के दबाव में युवतियां देर से बन रही हैं मां

सपनों को पर लगाने के चक्कर में लड़कियां पहले शादी फिर मां बनने में आनाकानी कर रही हैं।

ज्यादातर की चिंता जॉब से हाथ धो बैठने को लेकर रहती है। कैरियर के चक्कर में देर से शादी फिर मां बनने वाली लड़कियां अगली पीढ़ी को बेजार करने का अज्ञात गुनाह कर रही हैं। चिकित्सकों का मनाना है कि ऐसे बच्चों की तादाद लगातार बढ़ती जा रही है जो तरह-तरह की जेनेटिक बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। कैरियर और विवाह की जद्दोजहद के बीच कामकाजी महिलाएं कैरियर को अधिक प्रमुखता दे रही हैं। मैक्स अस्पताल की गाइनकोलॉजिस्ट डॉ. वंदना एस्. शर्मा ने बताया कि लेट मैरिज में बच्चे के जन्म के लिए जिम्मेदार महिलाओं के एग्स में कई कमियां हो जाती हैं जिससे जन्म के बाद जेनेटिक समस्याएं बढ़ने की संभावना 60 फीसदी हो जाती है। महत्वपूर्ण यह है जेनेटिक बीमारियों की जांच प्री-नेटल जांच में भी संभव नहीं होती। अल्ट्रासाउंड लेवल-टू का प्रयोग कर तीन से पांच महीने में जांच कर कुछ जेनेटिक डिस्आर्डर का पता लगाया जा सकता है।

महंगी जांच होने के बाद भी इसे शतप्रतिशत सफल नहीं कहा जा सकता। सेक्टर-15ए स्थित क्लीनिक की डॉ. मंगला तेलंग ने बताया तीस वर्ष की उम्र के बाद पॉलिसएस्टस की समस्या भी आम पाई जाती है। जिसमें बार-बार गर्भपात की शिकायत रहती है। जिला अस्पताल की डॉ. रीता वाधवा का कहना है कि गर्भ में बीमारी का पता लगने के बाद कई तरह की इंटरनल मेडिसिन दी जाती हैं बावजूद इसके लेट मैरिज बचपन को बीमारियों का न्यौता दे रही है।

आत्मनिर्भर होना भी जरूरी

- "विवाह से अधिक जरूरी आत्मनिर्भर होना भी है। जिसको नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। 25 साल तक पढ़ाई पूरी करने में हो जाते हैं इसलिए विवाह में देर होना स्वाभाविक है।" - **रिचा सहदेव, मदरसन मार्केटिंग प्रमुख**
- "काम का तनाव और परिवार की जिम्मेदारियां भी शादी न करने का कारण होती हैं। हां इतना जरूरी है कि अधिक महत्वाकांक्षा को विवाह न करने की वजह नहीं बनाना चाहिए" - **मीनाक्षी मिश्रा, निजी कंपनी में कार्यरत**
- "शादी का निर्णय लेने को लड़कियां अब स्वतंत्र हैं। कैरियर बनाने में समय के कारण देर होना स्वाभाविक है। यह बात अलग है कि इससे परिणाम बेहतर नहीं हैं।" - **नीलम यादव, बीपीओ कर्मचारी**

क्या-क्या बीमारियां

- **एडवर्ड सिंड्रोम :** 40 तरह के प्रमुख सिंड्रोम में एडवर्ड सिंड्रोम को बच्चों की प्रमुख बीमारी माना जाता है। जिसमें मस्तिष्क की क्रियाशीलता न के बराबर होती है। बच्चों को काउंसलिंग कर सिखाया जाता है।
- **मॉल सिंड्रोम :** बार-बार भूलने की आदत की आदत में बच्चे चीजों को ठीक से याद नहीं रख पाते हैं। मॉल सिंड्रोम के शिकार बच्चों के शारीरिक विकास पर भी असर पड़ता है।

© Amar Ujala www.amarujala.com